भारत सरकार
शिक्षा मंत्रालय
स्कूल शिक्षा और साक्षरता विभाग
लोक सभा
अतारांकित प्रश्न संख्या- 719
उत्तर देने की तारीख- 12/12/2022

विद्यालयों में शिक्षकों की स्थिति

719. श्री सुधाकर तुकाराम श्रंगारेः
श्री सुनील कुमार सिंहः
श्री दिलीप शइकीयाः
श्री देवजी पटेलः

क्या **शिक्षा** मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे किः

(क) क्या एक रिपोर्ट के अनुसार, देश, विशेषकर असम, महाराष्ट्र, राजस्थान में शिक्षकों के लगभग 11.16 लाख पद रिक्त हैं, जिसमें ग्रामीण क्षेत्रों में रिक्तियों का प्रतिशत 69 है;

(ख) यदि हां, तो विशेषकर महाराष्ट्र में तत्संबंधी राज्य-वार ब्यौरा क्या है;

(ग) देश में विशेषकर झारखंड के चतरा और लातेहार जिलों और महाराष्ट्र, असम और राजस्थान में महिला शिक्षकों की कुल राज्य-वार संख्या कितनी है; और

(घ) विशेषरूप से झारखंड, महाराष्ट्र के लातूर संसदीय निर्वाचन क्षेत्र, असम के मंगलदोई संसदीय निर्वाचन क्षेत्र और राजस्थान के जालौर संसदीय निर्वाचन क्षेत्र सहित ग्रामीण क्षेत्रों में शिक्षकों की कमी को दूर करने के लिए सरकार द्वारा अब तक क्या कदम उठाए गए हैं?

उत्तर

शिक्षा मंत्रालय में राज्य मंत्री
(श्रीमती अन्नपूर्णा देवी)

(क) से (घ): स्कूलों में शिक्षकों की भर्ती एक सतत प्रक्रिया है चूंकि सेवानिवृत्ति, त्यागपत्र और छात्रों की संख्या में वृद्धि / नए स्कूलों के कारण अतिरिक्त आवश्यकताओं जैसे कारकों के कारण रिक्तियां होती रहती हैं। शिक्षा संविधान की समवर्ती सूची में है और अधिकांश स्कूल संबंधित राज्य और संघ राज्य क्षेत्र सरकारों के प्रशासनिक नियंत्रण में हैं। शिक्षकों की भर्ती, सेवा शर्तें और तैनाती मुख्य रूप से संबंधित राज्य और संघ राज्य क्षेत्र (यूटी) सरकारों के दायरे में आते हैं। हालाँकि, शिक्षा मंत्रालय समय-समय पर समीक्षा बैठकों और परामर्शों के माध्यम से राज्य और संघ राज्य क्षेत्र सरकारों से शिक्षकों के रिक्त पदों को भरने और उनकी तर्कसंगत तैनाती के लिए अनुरोध करता है। इसके अलावा, केंद्र सरकार समग्र शिक्षा की केंद्र प्रायोजित योजना के माध्यम से, निःशुल्क और अनिवार्य बाल शिक्षा का अधिकार (आरटीई) अधिनियम, 2009 समय-समय पर यथा संशोधित में निर्धारित मानदंडों के अनुसार, स्कूली शिक्षा के विभिन्न स्तरों के लिए उपयुक्त छात्र-शिक्षक अनुपात (पीटीआर) बनाए रखने के लिए राज्यों और संघ राज्य क्षेत्रों को वित्तीय सहायता प्रदान करती है। देश में विशेष रूप से झारखंड के चतरा और लातेहार जिलों में महिला शिक्षकों की राज्य-वार कुल संख्या **अनुलग्नक-क** में है।

*****

अनुलग्नक-क

'विद्यालयों में शिक्षकों की स्थिति' के संबंध में माननीय संसद सदस्य श्री सुधाकर तुकाराम श्रंगार, श्री सुनील कुमार सिंह, श्री दिलीप शइकीया और श्री देवजी पटेल द्वारा दिनांक 12/12/2022 को पूछे जाने वाले लोक सभा अतारांकित प्रश्न संख्या 719 के भाग (क) से (घ) के संदर्भित उत्तर में उल्लिखित अनुलग्नक

क्र. सं	राज्य/संघ राज्य क्षेत्र का नाम	महिला शिक्षकों की कुल संख्या
1	अंडमान और निकोबार द्वीप समूह	3,476

2	आंध्र प्रदेश	1,62,047
3	अरुणाचल प्रदेश	11,502
4	असम	1,44,752
5	बिहार	2,34,716
6	चंडीगढ़	7,529
7	छत्तीसगढ	1,24,909
8	दमन और दीव और दादरा एवं नगर हवेली	2,885
9	दिल्ली	1,11,448
10	गोवा	11,139
11	गुजरात	2,03,729
12	हरियाणा	1,48,544
13	हिमाचल प्रदेश	51,947
14	जम्मू और कश्मीर	80,327
15	झारखंड	83,121
16	कर्नाटक	2,51,204
17	केरल	2,13,285
18	लद्दाख	3,122
19	लक्षद्वीप	423
20	मध्य प्रदेश	2,83,227
21	महाराष्ट्र	3,62,393
22	मणिपुर	23,180
23	मेघालय	32,227
24	मिजोरम	11,010
25	नागालैंड	17,448
26	ओडिशा	1,53,894
27	पुदुचेरी	9,274
28	पंजाब	1,93,433
29	राजस्थान	2,87,350
30	सिक्किम	8,170
31	तमिलनाडु	4,27,603
32	तेलंगाना	1,94,415
33	त्रिपुरा	12,734
34	उत्तर प्रदेश	67,764
35	उत्तराखंड	6,88,755
36	पश्चिम बंगाल	2,53,750
भारत		48,76,732

क्र. सं	**जिले का नाम**	**महिला शिक्षकों की कुल संख्या**
1	चतरा	1,990
2	लातेहार	1,566

स्रोत: यूडीआईएसई+ 2021-22